भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1006
दिनांक 31 जुलाई, 2024 के लिए प्रश्न

दूध का उत्पादन बढ़ाया जाना

1006. श्री एस. कल्याणसुन्दरमः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पशु स्वास्थ्य और पोषण में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में घोषित योजनाओं का ब्यौरा क्या है और तमिलनाडु राज्य के लिए जिला-वार कितनी धनराशि आवंटित की गई है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ग) पशुपालन और डेयरी विभाग देशी बोवाईन नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवईनों के आनुवंशिक उन्नयन और बोवाईनों के दूध उत्पादन तथा उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय गोकुल मिशन का कार्यान्वयन कर रहा है।

देश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

(i) 50% से कम कृत्रिम गर्भाधान कवरेज वाले जिलों में कवरेज का विस्तार करने के लिए राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का कार्यान्वयन।
(ii) बोवाईनों के तीव्र आनुवंशिक उन्नयन के लिए इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन तकनीक (आईवीएफ) का उपयोग करते हुए त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम।
(iii) 90% से अधिक सटीकता के साथ बछियां पैदा करने के लिए सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग करते हुए त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम
(iv) उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांड़ों के उत्पादन के लिए संतति परीक्षण और नस्ल चयन कार्यक्रम।
(v) ग्रामीण भारत में बहुउद्देश्यीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (मैत्री) के माध्यम से किसानों के द्वार पर गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं की प्रदायगी।
(vi) उद्यमिता विकास और रोग मुक्त बछिया उपलब्ध कराने के लिए नस्ल वृद्धि फार्म की स्थापना।

विभाग, पशु रोगों के लिए रोगनिरोधी टीकाकरण से पशु स्वास्थ्य के जोखिम को कम करने, पशु चिकित्सा सेवाओं की क्षमता निर्माण, रोग निगरानी और पशु चिकित्सा अवसरंचना के सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में केंद्रीय क्षेत्र की योजना पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) के कार्यान्वयन के माध्यम से पशुधन स्वास्थ्य देखभाल का समर्थन और संवर्धन कर रहा है। 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता के तहत सहायता प्राप्त प्रमुख कार्यकलाप खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी), ब्रुसेलोसिस, पेस्टे डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (पीपीआर) तथा क्लासिकल स्वाइन ज्वर (सीएसएफ) के लिए टीकाकरण है और राज्य प्राथमिकता प्राप्त आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण विदेशी,

उभरते हुए और जूनोटिक पशु रोग नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (एएससीएडी) में निधियन पैटर्न केंद्र और राज्य के बीच 60:40, पर्वतीय और उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए 90:10 और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए 100 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों (ईएसवीएचडी-एमवीयू) की स्थापना और सुदृढ़ीकरण घटक के तहत मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (एमवीयू) की खरीद और अनुकूलन के लिए 100% वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (एमयूवी) के माध्यम से टोल फ्री नंबर (1962) से किसानों के द्वार पर रोग निदान, उपचार, टीकाकरण, लघु शल्यचिकित्सा कार्यकलाप, दृश्य-श्रव्य सहायक उपकरण और विस्तार सेवाओं सहित पशुचिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की प्रदायगी के लिए उत्तर पूर्वी और पर्वतीय राज्यों को 90:10 के अनुपात में, अन्य राज्यों को 60% और संघ राज्य क्षेत्रों को 100% आवर्ती परिचालन व्यय प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत आहार और चारा आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ाने के उद्देश्य से निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं, जिससे पशुधन पोषण में योगदान मिलता है:

(i) चारा बीजों की सभी श्रेणियों के उत्पादन के लिए 100% प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है, जिससे उच्च उपज (high Yielding) चारा किस्मों की उपलब्धता सुनिश्चित होती है।

(ii) 'उद्यमिता विकास कार्यक्रम' (ईडीपी) घटक के तहत कुल मिश्रित राशन (टीएमआर), चारा ब्लॉक, साइलेज और घास (Hay) तैयार करने के लिए अवसंरचना स्थापित करने हेतु पात्र संस्थाओं को 50% पूंजीगत सब्सिडी के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

(iii) पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ) देश में पशु आहार, कुल मिश्रित राशन, साइलेज, बाईपास प्रोटीन, खनिज मिश्रण, आहार संपूरक और आहार प्रिमिक्स के बड़े पैमाने पर उत्पादन को समर्थन देती है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन, पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण तथा राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत पिछले 3 वर्षों के दौरान तमिलनाडु राज्य को जारी कुल निधि 21955.76 लाख रुपये है।

*****